गीत गा रहे हैं आज हम

गीत गा रहे हैं आज हम
रागिनी को ढुंढते हुए
आ गए यहाँ जवां कदम
जिंदगी को ढुंढते हुए
गीत गा रहे हैं आज हम...

दो दिलों में ये उमंग है
हम जहाँ नया बनाएंगे
जिंदगी का तौर आज से
दोस्तों को हम सिखाएंगे
फूल हम नये खिलाएंगे
ताजगी को ढुंढते हुए
आ गए यहाँ जवां कदम
जिंदगी को ढुंढते हुए
गीत गा रहे हैं आज हम...

दहेज का बुरा रिवाज है
आज देश में समाज में
है तबाह आज आदमी
लूटपाट के समाज में
हम समाज भी बनाएंगे
आदमी को ढुंढते हुए
आ गए यहाँ जवां कदम
जिंदगी को ढुंढते हुए
गीत गा रहे हैं आज हम...